Date
25/04/2020

TEACHING OF SCIENCE

Topic - Soil & Crops

D El Ed IInd Sem

Period - IIIrd

फसल चक्र के सिद्धान्त =>

फसल चक्र के सिद्धान्त निम्न प्रकार है-

1= उथली जड़ वाली फसलो के बाद गहरी जड़ वाली फसले उगाना चाहिये।

2= अधिक खाद की माँग वाली फसलो के बाद कम खाद की माँग वाली फसले उगाना चाहिये।

3= अनाज वाली फसलो के बाद दाल वाली फसले लगाना चाहिये।

4= अधिक सिंचाई वाली फसलो के बाद कम सिंचाई वाली फसलो को लगाना चाहिये।

फसल चक्र का महत्व =>

फसल चक्र का महत्व निम्न प्रकार है।

1= इससे भूमि की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा ठीक रहती है।

2= फसल चक्र द्वारा फसलो में लगने वाले कीड़े एवं रोग नियन्त्रित हो जाते है।

3= फसल चक्र से भूमि की उर्वरा शक्ति का ह्रास नही होता।

4= फसल चक्र से मजदूर, बैल वर्ष भर काम पर लगे रहते है तथा कृषक को भी वर्षभर फसल प्राप्त होती है।

Scanned with CamScanner

फसल चक्र का चुनाव ⇒

फसल चक्र अपनाते समय कुशल कृषक को निम्न कारको पर ध्यान देना चाहिये। इन कारको के आधार पर ही उसे बोये जाने वाली फसल का चयन करना चाहिये।

1 ⇒ जलवायु

2 ⇒ भूमि

3 ⇒ सिचाई के साधन

4 ⇒ श्रमिक एव पशुओ की उपलब्धता

5 ⇒ घरेलू आवश्यकताओ की पूर्ति

6 ⇒ बाजार की माँग तथा कृषि कार्य से शहर की दूरी

7 ⇒ खाद की सुविधा

8 ⇒ कृषक की फसल उगाने की क्षमता

9 ⇒ सामाजिक रीति रिवाज

Continue

25/04/202-